



कैट क्यू वायरस (Cat-Que Virus)

चीन से आए कोरोना वायरस से भारत समेत पूरी दुनिया अभी पूरी तरह निपट भी नहीं पाई है कि ऐसे में एक और चीनी वायरस अपने पैर जमाने की तैयारी कर रहा है.....इसकी मौजूदगी के संकेत मिलने से विज्ञानियों की चिंता बढ़ गई है और पूरी दुनिया में दशहत का माहौल कायम कर दिया है....

इस नयी दशहत का नाम है कैट क्यू वायरस.....भारत की संस्था भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने भारत सरकार को चेताया है कि चीन का कैट क्यू वायरस भारत में नए खतरे के रूप में मंडरा रहा है ...

ICMR की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यह वायरस इंसानों में ज्वर की बीमारी , मेनिंजाइटिस पैदा कर सकता है...इसके साथ साथ इसका सबसे ज्यादा खतरा बच्चों पर मंडरा रहा है। यह बच्चों में इन्सेफलाइटिस (Paediatric Encephalitis) या दिमागी बुखार जैसी बीमारी पैदा कर सकता है..

भारत में जहां पहले से ही स्वस्थ केंद्रों और बुनियादी अवसंरचना की काफी कमी है ऐसे में कोरोना और कैट क्यू वायरस की दोहरी मार झेलने में भारत को काफी मशक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

आपको बता दें की पुणे के राष्ट्रीय विष्णु संसथान के सात शोधकर्ताओं ने ये खबर दी है कि चीन और वियतनाम में इस खतरनाक कैट क्यू वायरस मौजूद है। ये वायरस वहां क्यूलेक्स मच्छरों और सूअरों में पाया गया है। विशेषज्ञों ने चेताया है कि भारत के क्यूलेक्स मच्छरों में भी कैट क्यू वायरस के ही जैसा वायरस मिला है। संस्थान की माने तो सीक्यूवी आम तौर पर सूअर में ही पाया जाता है। चीन के पालतू सूअरों में इस वायरस के खिलाफ पनपी एंटीबॉडीज मिली है। खबरों पर यकीन करें तो कैट क्यू वायरस ने चीन के कुछ हिस्सों में अपना कहर ढाना शुरू कर दिया है...

भारत में वैज्ञानिकों ने अलग अलग राज्यों में 883 तिरासी लोगों के नमूने इकट्ठा किये। इन नमूनों की जांच के बाद इनमे से दो में वायरस के खिलाफ एंटीबॉडीज की मौजूदगी का पता चला। इस जांच में खुलासा हुआ कि दोनों लोग एक ही समय पर वायरस के संक्रमण के शिकार हुए थे...

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में छपे एक शोध में खुलासा किया गया है की 'इंसानों के सीरम सैंपलों की जांच में एंटी-सीक्यूवी आईजीजी एंटीबॉडी की मौजूदगी और मच्छरों में कैट क्यू वायरस की खुद की तादाद बढ़ाने की क्षमता से पता चलता है कि भारत में यह वायरस कहर बरपा सकता है। भारत में कई इलाकों में सूअरों को पाला जाता है। ऐसे में इन इलाकों में इंसानों और सूअरों के और सीरम सैंपलों की जांच होनी चाहिए। इससे वायरस के मौजूद होने के बारे में जानकारी मिल पाएगी। भारत उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में आता है इसके अलावा यहाँ की जलवायु भी मॉनसूनी है। इस वजह से यहाँ मच्छरों की एक बड़ी जनसँख्या है। इस तरह मच्छर सीक्यूवी के संक्रमण फैलाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

आईसीएमआर की मेडिकल पत्रिका आईजेएमआर की माने तो ये दोनों नमूने कर्नाटक में साल 2014 और साल 2017 में लिए गए थे। आईसीएमआर के वैज्ञानिकों ने चेताया है कि इस वायरस का संक्रमण फैला तो सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट खड़ा हो सकता है।

क्या है कैट क्यू वायरस

पालतू सूअरों को इस वायरस का प्राथमिक होस्ट माना जाता है। 2015 में वेक्टर बोरने एंड जूनोटिक डिजीज नाम के जर्नल में छपे एक लेख के मुताबिक यह वायरस सिम्बू सेरो समूह से ताल्लुक रखता है और यह इंसानों और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पालतू पशुओं की प्रजातियों में आसानी से फैलने की क्षमता रखता है। इसे सबसे पहले साल 2004 में उत्तरी वियतनाम में एक मच्छर से अलग किया गया था। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इस वायरस के SC0806 नाम के स्ट्रेन का पता लगाया है जिसे चीन में साल 2006 से 2008 के दौरान मच्छरों के नमूने से इकट्ठा किया गया था।

कितना खतरनाक है ये वायरस

इस बारे में वैज्ञानिक एकमत नहीं हैं। अन्य वायरस जो इसी जीन के हैं वो भी मच्छरों के जरिये संक्रमण फैला सकते हैं। इनमें केशे वैली वायरस जिससे मेनिन्जाइटिस, ला क्रोसे वायरस जिससे बच्चों में दिमागी बुखार, जामेस्टोन कैनियन वायरस जिससे जामेस्टोन कैनियन एनसेफेलिटिस और गुण्रोआ वायरस जिससे ज्वर की बीमारी होने का खतरा रहता है.....

चीन में तेजी से फैल रहा है यह वायरस भारत के लिए भी चिंता का विषय है... वहीं शोधकर्ताओं का कहना है कि भारतीय आबादी में कैट क्यू वायरस के प्रसार को अच्छे से समझने के लिए और सीरम सैंपल की जरूरत होगी ताकि ज्यादा से ज्यादा डेटा पर शोध किया जा सके....

Dhyeya IAS Now on Telegram

We're Now on Telegram



Join Dhyeya IAS Telegram

Channel from the link given below

["https://t.me/dhyeya_ias_study_material"](https://t.me/dhyeya_ias_study_material)

You can also join Telegram Channel through
Search on Telegram

"Dhyeya IAS Study Material"

Join Dhyeya IAS Telegram Channel from link the given below

https://t.me/dhyeya_ias_study_material

नोट : पहले अपने फ़ोन में टेलीग्राम App Play Store से Install कर ले उसके बाद लिंक में क्लिक करें जिससे सीधे आप हमारे चैनल में पहुँच जायेंगे।

You can also join Telegram Channel through our website

www.dhyeyaias.com

www.dhyeyaias.com/hindi




Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter


(ध्येय IAS ई-मेल न्यूजलेटर सब्सक्राइब करें)

जो विद्यार्थी ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप (Whatsapp Group) से जुड़े हुये हैं और उनको दैनिक अध्ययन सामग्री प्राप्त होने में समस्या हो रही है | तो आप हमारे ईमेल लिंक Subscribe कर ले इससे आपको प्रतिदिन अध्ययन सामग्री का लिंक मेल में प्राप्त होता रहेगा | **ईमेल से Subscribe करने के बाद मेल में प्राप्त लिंक को क्लिक करके पुष्टि (Verify) जरूर करें** अन्यथा आपको प्रतिदिन मेल में अध्ययन सामग्री प्राप्त नहीं होगी |

नोट (Note): अगर आपको हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में अध्ययन सामग्री प्राप्त करनी है, तो आपको दोनों में अपनी ईमेल से **Subscribe** करना पड़ेगा | आप दोनों माध्यम के लिए एक ही ईमेल से जुड़ सकते हैं |



ध्येय IAS[®]
most trusted since 2003



Join Dhyeya IAS Whatsapp Group by Sending "Hi Dhyeya IAS" Message on 9205336039.

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter

Step by Step guidance for Subscription:

- **1st Step:** Fill Your Email address in form below. you will get a confirmation email within 2 min.
- **2nd Step:** Verify your email by clicking on the link in the email. (Check Inbox and Spam folders)
- **3rd Step:** Done! you will receive alerts & Daily Free Study Material regularly on your email.

Enter email address

Subscribe



Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

